पत्र सूचना शाखा
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उ0प्र0

राज्यपाल ने महाराष्ट्र दिवस समारोह का समापन किया

लखनऊ: 2 मई, 2018

उत्तर प्रदेश के राज्यपाल श्री राम नाईक ने आज दो दिवसीय महाराष्ट्र दिवस समारोह का आज राजभवन में समापन किया। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रदेश के उप मुख्यमंत्री डॉ0 केशव प्रसाद मौर्य, पर्यटन, महिला एवं परिवार कल्याण मंत्री प्रो0 रीता बहुगुणा जोशी, संस्कृति मंत्री श्री लक्ष्मी नारायण चौधरी, प्राविधिक एवं चिकित्सा शिक्षा मंत्री श्री आशुतोष टंडन, कुलपति भातखण्डे संगीत संस्थान सम विश्वविद्यालय श्रीमती श्रुति सडोलीकर काटकर, महापौर लखनऊ डॉ0 संयुक्ता भाटिया सहित बड़ी संख्या में मराठी भाषिक एवं विशिष्टजन उपस्थित थे। इस अवसर पर मराठा समाज उत्तर प्रदेश द्वारा किंग जार्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय, लखनऊ को 51 स्ट्रेचर प्रदान किये गये जिन्हें चिकित्सा शिक्षा मंत्री श्री आशुतोष टंडन द्वारा स्वीकार किया गया।

राज्यपाल ने समापन समारोह में अपने विचार व्यक्त करते हुये कलाकारों का उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिये तथा कार्यक्रम के सुंदर समाचार संकलन एवं प्रस्तुतिकरण के लिये समस्त प्रिंट एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया का अभिनन्दन किया। उन्होंने राज्य सरकार सहित आयोजन से जुड़े समस्त विभागों के अधिकारियों की भी सराहना की। राज्यपाल ने उद्घाटन एवं समापन समारोह की भव्यता एवं दर्शकों की उपस्थिति से अभिभूत होकर कहा कि जैसे गणपति विसर्जन पर हर व्यक्ति यही कामना करता है कि 'गणपति बप्पा मोरया अगले बरस तू जल्दी आ', उसी तरह महाराष्ट्र दिवस भी जल्दी से फिर देखने का मौका मिले। उन्होंने कहा कि अन्य प्रदेश के नागरिक जो उत्तर प्रदेश में अपना स्थापना दिवस आयोजन करना चाहेंगे उनके लिये आज का आयोजन एक परिचय के रूप में है।

श्री नाईक ने महाराष्ट्र सरकार की ओर से बताया कि जैसे उत्तर प्रदेश सरकार ने 'महाराष्ट्र दिवस' का आयोजन बड़े पैमाने पर किया है उसी प्रकार महाराष्ट्र में 'उत्तर प्रदेश दिवस' का आयोजन किया जायेगा। उन्होंने उत्तर प्रदेश वासियों को महाराष्ट्र में आयोजित होने वाले 'उत्तर प्रदेश दिवस' का आमंत्रण भी दिया। सभी व्यक्तियों को अपने मूल निवास या जन्मस्थान से विशेष जुड़ाव होता है, चाहे वह वर्तमान में कहीं भी निवास कर रहे हों। उन्होंने कहा कि इसी जुड़ाव के कारण ही दूसरे प्रदेश में रहने वाले भी अपने प्रदेश से संबंधित कार्यक्रमों का आयोजन करते हैं।

उप मुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि 24 जनवरी को उत्तर प्रदेश का स्थापना दिवस तथा 1 मई को महाराष्ट्र का स्थापना दिवस मनाया जाता है। इस वर्ष खास बात यह है कि उत्तर प्रदेश दिवस के आयोजन में सम्मिलित होने वे मुंबई गये थे और महाराष्ट्र दिवस का आयोजन राजभवन में हो रहा है। महाराष्ट्र का अपना इतिहास है। महाराष्ट्र संतों, क्रांतिकारियों एवं वीरों की भूमि के रूप में जाना जाता है। शिवाजी के चित्र को देखकर स्वाभिमान और गौरव का बोध होता है। दोनों प्रदेशों में बहुत समानता है। उन्होंने कहा कि राज्यपाल ने दोनों प्रदेशों के बीच जो मिठास घोली है उससे लोगों को जोड़ने की नई दिशा मिली है।

मंत्री प्रो0 रीता बहुगुणा जोशी ने कहा कि पहली बार उत्तर प्रदेश एवं महाराष्ट्र के बीच सांस्कृतिक समन्वय से स्थापना दिवस का आयोजन किया गया। दोनों प्रदेशों के बीच अनूठा संबंध है। महाराष्ट्र ने अनेक विभूतियाँ राष्ट्र को दी हैं जैसे छत्रपति शिवाजी महाराज, लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक, बाबासाहेब आंबेडकर, विनोबा भावे आदि। शिवाजी ने देश को स्वाभिमान दिया और शाहूजी महाराज ने समरसता का संदेश दिया। उन्होंने राज्यपाल की भूमिका की सराहना करते हुये कहा कि उत्तर प्रदेश में राजभवन और राज्यपाल के प्रति दृष्टिकोण बदला है।

कार्यक्रम में संस्कृति मंत्री श्री लक्ष्मी नारायण चौधरी ने स्वागत उद्बोधन देते हुये दोनों प्रदेशों के प्राचीन सांस्कृतिक संबंधों पर विस्तार से प्रकाश डाला। समापन समारोह में महाराष्ट्र से आये कलाकारों द्वारा मराठी नाट्य संगीताची वाटचाल की प्रस्तुति दी गयी तथा भातखण्डे संगीत संस्थान सम विश्वविद्यालय की कुलपति श्रीमती श्रुति सडोलीकर काटकर द्वारा भी प्रस्तुति दी गयी।

अंजुम/ललित/राजभवन (182/4)

राजभवन

मराठी समाज उत्तर प्रदेश

महाराष्ट्र दिवस समारोह
समापन